IIMR Millets Newsletter

ICAR-Indian Institute of Millets Research, Rajendranagar, Hyderabad. 500 030.

Serial No. 137 | Hyderabad ◘ Solapur ◘ Warangal | March, 2015

In this issue.....

1. Visit of Dr. David J Bergvinson, Director General-ICRISAT
2. Visit of Dr. VN Sharada
3. IIMR adopts Maharajpet Village, RR district, under *Swachh Bharath* Mission
4. Institute Research Council (IRC) meetings
5. Fellowship to Dr. Elangovan
6. Visitors
7. Meeting (M)/ Symposia (S)/ Workshop (W)/ Training (T) / Conference (C) attended

Visit of Dr. David J Bergvinson, Director General-ICRISAT

Dr. David J Bergvinson, Director General- ICRISAT along with 5 member team visited IIMR on 28 March, 2015. Dr. JV Patil,

Director, IIMR explained the visitors about the new initiatives, monitoring and motivational techniques being practiced at IIMR to increase the scientific and intellectual output to enhance social relevance and higher economic benefit to rural livelihood

समाचार सारांश

डॉ. डैविड जे बेर्जविन्सन, महानिदेशक, इक्रिसेट का दौरा

डॉ. डैविड जे बेर्जविन्सन, महानिदेशक, इक्रिसेट ने पांच सदस्यों के दल के साथ 28 मार्च 2015 को भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया । डॉ. जे वी पाटील, निदेशक, भाकअनुसं. ने उन्हें ग्रामीण जन-जीवन हेतु आर्थिक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से संस्थान में वैज्ञानिक तथा बौद्धिक परिणामों की मात्रा बढ़ाने हेतु संचालित अनुवीक्षण तथा प्रेरक तकनीकों एवं नई पहलों के बारे में जानकारी प्रदान की । डॉ. बेर्जविन्सन ने इक्रिसेट में संचालित कृषि विकास नीति के बारे में सविस्तार जनकारी दी । इसके अलावा संस्थान के अन्य विषय-विषेशज्ञों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र से संबंधित संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया । डॉ. बी दयाकर राव ने इस कार्यक्रम को सुकर बनाया ।

संस्थान अनुसंधान परिषद की बैठक

विभिन्न अनुसंधान विषयों के अंतर्गत भाकृअनुप परियोजनाओं की वार्षिक प्रगति पर चर्चा हेतु डॉ. जे वी पाटील, निदेशक, भाकअनुसं. की अध्यक्षता में 26 मार्च 2015 को संस्थान अनुसंधान परिषद की बैठक आयोजित की गई । परियोजनाओं से संबंधित प्रधान अन्वेषकों ने वर्ष 2014-15 के दौरान हुई वार्षिक प्रगति एवं प्राप्त परिणामों के बारे में विवरण प्रस्तुत किया । प्रस्तुतीकरण के अंतर्गत समय प्रबंधन, वार्षिक प्रगति, प्रकाशन शामिल परिणाम व भावी कार्य योजनाओं आदि विषयों पर ज्यादा जोर दिया गया । उक्त बैठक के कार्यवृत्त का मसौदा पी.एम.ई. कक्ष के प्रभारी, डॉ. एच एस तलवार के द्वारा तैयार किया गया ।

डॉ. वी एन शारदा का दौरा

डॉ. वी एन शारदा, भाकृअनुप शासी निकाय के सदस्य ने ने 31 मार्च 2015 को भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया । उन्होंने भाकअनुसं. में विभिन्न परियोजनाओं के कार्यान्वयन के संबंध में डॉ. जे वी पाटील, निदेशक, भाकअनुसं. से चर्चा की । डॉ. पाटील ने उन्हें संस्थान में संचालित वर्तमान गतिविधियों एवं अनुसंधान से संबंधित उच्चाकांक्षाओं एवं महत्वपूर्ण क्षेत्रों के बारे में जानकारी प्रदान की ।

भाकअनुसं. के द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत महाराजपेट गांव का दत्तक-ग्रहण

भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने 19 मार्च, 2015 को स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत महाराजपेट गांव को गोद लिया । इस कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि एवं एम.पी.टी.वी. बोर्ड के सदस्य श्रीमती पी पद्मवती तथा श्रीमती एन

एन वी रत्ना कृषि अधिकारी, कृषि विभाग, मृदा परीक्षण प्रयोगशाला, राजेन्द्रनगर एवं भाकअनुसं. से डॉ. शशिधर रेड्डी, डॉ. बी सुब्बारायुडु, डॉ. आर आर चापके एवं श्री पी मुकेश के द्वारा किया गया । इस कार्यक्रम में 50 कृषकों एवं ग्रामिणों ने भाग लिया । इस अवसर पर वैज्ञानिकों एवं कृषकों के बीच ज्वार की खेती के विभिन्न पहलुओं पर परस्पर चर्चा हुई तत्पश्चात इस कार्यक्रम में वैज्ञानिक दल के सदस्यों तथा ग्रामिणों ने गांव एवं ग्राम पंचायत के कार्यालय की सफाई कार्य किया ।

डॉ. एम एलंगोवन को फैलो पुरस्कार

डॉ. एम एलंगोवन, प्रधान वैज्ञानिक (आनुवंशिक संसाधन/आर्थिक वनस्पति शास्त्र), भाकअनुसं. को रा.पा.आ.सं.ब्यू., नई दिल्ली में 5 मार्च 2015 को वर्ष 2013 हेतु इंडियन सोसाइटी ऑफ प्लांट जेनेटिक्स रिसोर्सेस का फैलो पुरस्कार प्राप्त हुआ । *भाकअनुसं. की ओर से उन्हें हार्दिक बधाई !*

आगन्तुक

पुणे से छात्र

कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय, नारायणगांव, पूणे से डॉ. एम बी भुजबल, असोशिएट प्रोफेसर के साथ 68 कृषि व्यवसाय प्रबंधन के छात्रों एवं 4 अन्य स्टाफ सदस्यों ने 03 मार्च 2015 को भाकअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया । उन्हें संस्थान में संचालित अनुसंधान गतिविधियों एवं ज्वार के मूल्य-वर्धित उत्पादों तथा स्वास्थ्यवर्धक खाद्य के बारे में जानकारी प्रदान की गई । डॉ. आर आर चापके तथा श्रीमती अन्नपूर्णा ने उक्त दौरे का समन्वय किया ।

कृषक

- ज्वार फसल पर तकनीकी जानकारी एवं उसकी उपयोगिता पर अन्य जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से श्री एच सी देहरिया, व.कृ.वि.अधि., मध्य प्रदेश के नेतृत्व में 60 कृषकों के समूह ने 03 मार्च 2015 को भाकअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया । डॉ. आर आर चापके ने कृषकों को नवीनतम उत्पादन प्रौद्योगिकियों के संबंध में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की ।
- ज्वार फसल पर तकनीकी जानकारी एवं उसकी उपयोगिता पर जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से श्री फैरोज, सहायक कृषि अधिकारी, कृषि विभाग, बागलकोट, कर्नाटक एवं डॉ. बसवराज हनगंडी, एम.डी. जोहा एड. टूरिज्म एवं इवेंट, धारवाड़ के नेतृत्व में 8 महिला शामिल 50 प्रशिक्षार्थी कृषकों के समूह ने 09 मार्च, 2015 को भाकअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया । डॉ. विलास ए टोणपी, डॉ. बी वी भट, डॉ. आर आर चापके तथा श्री एच एस गावली ने कृषकों को नवीनतम उत्पादन प्रौद्योगिकियों के संबंध में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की ।
- कर्नाटक के बेलगांव ज़िले से कुल 68 कृषकों के समूह ने 18 मार्च, 2015 को भाकअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया । संस्थान के वैज्ञानिकों ने उनसे परस्पर विचार-विमर्श किया । डॉ. बी वी भट ने उन्हें रबी मौसम हेतु नई कृष्य किस्मों, ज्वार रोग प्रबंधन, ज्यादा उत्पादन हेतु नवीनतम कृषि कार्यों एवं मूल्य-वर्धित ज्वार उत्पादों के बारे में जानकारी प्रदान की गई ।

-डॉ. महेश कुमार

on sustainable basis. Dr. Bergvinson explained the agriculture development strategy of the ICRISAT with special reference to the sorghum and other millets and sought views from scientists on how envisaged activities of the ICRISAT can be made more relevant and complimentary. Various discipline-wise thematic leaders at IIMR briefly explained on their area of activities and participated in the deliberations. Dr. Bergvinson was extremely impressed about the facilities and passionate scientists engaged in excellent research for the benefit of Indian farmers. He congratulated all scientific fraternity for this. Dr. B Dayakar Rao facilitated the programme.

Visit of Dr. VN Sharada

Dr. VN Sharada, ICAR Governing Body Member visited IIMR on 31 March, 2015. He discussed with the Dr. JV Patil, Director, IIMR on the execution of the various research projects at IIMR.

Dr. JV Patil. Director, DSR described on the institute's current activities, aspirations and thrust areas with respect to all research matters. He was served with the novel sorghum foods that are being popularized by the institute and discussed on the various initiatives on entrepreneurship development activities.

IIMR adopts Maharajpet Village, RR district, under *Swachh Bharath* Mission

Indian Institute of Millets Research, Hyderabad has taken up the village adoption program under Swatch Bharat Abhiyan.

Under this programme, IIMR has adopted Maharajpet village,

Shankarpally Mandal; Ranga Reddy District on 19 March, 2015. This programme was inaugurated by the representatives of Gram panchayat, MPTV Board members, Smt. P Padmavathi, and Smt. NNV Ratna, Agricultural Officers from Dept of Agriculture, Soil testing Laboratory, Rajendranagar and scientists from IIMR Drs. Ch Shashidhar Reddy, B Subbarayudu, RR Chapke, and P Mukesh. The programme was attended by 50 farmers and villagers.

The Sarpanch and MPTC members have requested for transfer technologies related to sorghum and other millet and expressed their happiness for choosing their village under village adoption programme under Swachh Bharath Mission. The state Agricultural Officers, advised farmers to choose the crop and fertilizer doses based on the soil type and conditions. They suggested them to utilize "Soil health-card" system to undertake soil test facilities. IIMR scientists appraised the farmers on package and practice for sorghum crop, pest and diseases control After inauguration the scientific team members and villagers cleaned the approach road of village and Gram Panchayath Office premises.

Institute Research Council (IRC) meetings

The Institute Research Council (IRC) meeting of IIMR was held on 26 March, 2015 under the chairmanship of Dr JV Patil, Director, IIMR. This was the first IRC meeting of the institute after its up-gradation to Indian Institute of Millets Research and therefore, seven new millets including pearl millet, finger millet, foxtail millet, kodo millet, proso millet, barnyard millet and little millet have also been incorporated besides sorghum. Chairman also appraised the scientists about the additional responsibilities as they have to address all millets and urged them to prepare research projects accordingly. A total of eighteen project proposals were presented and discussed including new projects on millets.

Fellowship to Dr. Elangovan

Dr M Elangovan, Principal Scientist of (Genetic Resources/ Economic Botany), IIMR was awarded of Fellow of Indian Society of Plant Genetic Resources (ISPGR), for the year 2013 at NBPGR, New Delhi on 5 March 2015. He has been awarded for his achievements in the area of Indian Plant Genetic Resources Management during the year 2013. He received the award from Dr RK Tyagi, Vice President - ISPGR in the august presence of Dr RS Paroda, Former Director General, ICAR and Chairman TAAS; Dr JS Sandhu, Deputy Director General (Crop Science), ICAR; Dr RS Rana, Former Director, NBPGR; Dr BS Dhillon, Vice Chancellor, Panjab Agricultural University; Dr HY Mohan Ram, Professor, INSA-S Ramanujam Research; Dr Bansal, Director, NBPGR and Dr Bhagmal, Bioversity International. IIMR congratulates him on his award of ISPGR.

Visitors

Farmers from Madhya Pradesh

A group of 60 farmers from Madhya Pradesh visited IIMR on 03 March, 2015 to get detailed know-how about the sorghum crop and its usefulness. Sh. HC Deharia, SADO, RAS, Bichhna Distrisct in Madhya Pradesh was the team leader. Dr. RR Chapke gave orientation about the latest production technologies developed at the institute and the demonstration plot. The team showed keen interest on dual purpose varieties, forage sorghum and sweet sorghums and availability of its seed. This visit was coordinated by Dr. RR Chapke.

Students from Pune

Dr. MB Bhujbal, Associate Professor along with a group of 68 Agriculture Business Management students and 4 other staff members from College of Agriculture Business Management,

Narayangaon, Pune visited IIMR on 03 March, 2015. They were briefed about the research activities at the institute and preparation of value-added products and health foods from sorghum. They also visited various laboratories. Relevant literature was also provided on latest improved technologies and different sorghum food products. This visit was coordinated by Dr RR Chapke, of Agricultural Extension Unit and Smt. Annapurna and the other team of INSIMP project.

Trainees from Self help Group

Thirty one trainees from Self help Group, Hyderabad visited IIMR on 03 March, 2015 to get exposure about the sorghum research and developments, as a part of their curriculum. Dr. B Dayakar Rao briefed them on the institute's research activities and sorghum scenario. The team showed interest in alternative uses and visited the food technology laboratories. Relevant literature was also provided on latest improved technologies and different sorghum food products. The team was led by K Anuradha, trainer, Self help group, Moosarambagh, Hyderabad.

Farmers from Bagalkot

A group of 50 trainee farmers including 8 women farmers under the leadership of Mr. Fairoz, Assistant Agriculture officer, Department of Agriculture, Bagalkot, Karnataka state and Dr. Basavaraj Hanagandi, MD, Joha adv tourism and events, Dharwad, visited the IIMR on 09 March, 2015 to get detailed know-how about the sorghum crop and its usefulness. Drs. Vilas A Tonapi, BV Bhat, RR Chapke and Mr. Harshal Gawali briefed the team about the latest production technologies developed at the institute and the demonstration plot. The team showed keen interest on dual purpose varieties, forage sorghum and sweet sorghums and availability of its seed.

Farmers from Belgavi

A total of 68 farmers from Belgavi district, Karnataka visited IIMR, Hyderabad on 18 March 2015. The scientists at IIMR interacted with them. They learnt about the new cultivars for rabi season, management of sorghum diseases, package of practices to be followed for getting higher yields, and the value -added products of sorghum and avenues for their marketing. They have also visited the sorghum food technology park. They were briefed about the sorghum food processing and production of sorghum health foods. Dr. BV Bhat briefed the team about the latest production technologies developed at the institute.

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक : राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हेतु डॉ जे वी पाटील, निदेशक, भाकअनुसं, हैदराबाद की अध्यक्षता में 16 मार्च, 2015 को रा.का.स. की 33वीं बैठक का आयोजन किया गया । बैठक में डॉ वी आर भागवत, प्रभारी अधिकारी-हिंदी कक्ष (उपाध्यक्ष), डॉ. बी वी भट, प्रभारी अधिकारी-तकनीकी एवं मीडिया कक्ष, डॉ. आई के दास, प्रभारी अधिकारी-पुस्तकालय, तथा डॉ. महेश कुमार, तकनीकी अधिकारी-हिंदी (सदस्य-सचिव) उपस्थित थे । बैठक में संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन में प्रगति संबंधी विषयों पर चर्चा की गई ।

Meetings (M) / Symposia (S)/ Workshops (W)/ Trainings (T) Conferences (C) attended

S. No	Name of the Official	Participated in	Type	Venue	Dates
1	K Hariprasanna	DUS project review meeting	M	JAU, Junagadh.	8-11 March, 2015
2	K Hariprasanna , Sunil Gomashe & KN Ganapathy	AICSMIP Annual workshop	W	NAU, Navsari	29-31 March, 2015.

Thought for the month

The final test of a leader is that he leaves behind him in other men the conviction and the will to carry on.

Walter Lippmann

Printed Matter / Book Post

To

Compilation, Editing & Lay-out :

Drs. KV Raghavendra Rao, VA Tonapi
HS Gawali, Sh. K Sanath Kumar &
Dr. B Venkatesh Bhat

Chief Editor & Publisher:

Dr. JV Patil, Director,
Indian Institute of Millets Research

From:

Indian Institute of Millets Research (IIMR)

Hq. Rajendranagar, Hyderabad, 500 030
Tel: 040-24015349, 24018651
Fax: 040-24016378
Email: dsrhyd-ap@nic.in
Website: www.millets.res.in

Centre on Rabi Sorghum (IIMR), NH 9,
Bypass , Shelgi, Solapur - 413 006 (Mah.)
Tel: 0217-2373456
Telefax: 0217-2373456
E mail: solapur@millets.res.in

Sorghum Off-Season Nursery, Warangal
Officer-In-Charge
Indian Institute of Millets Research,RARS, (PJTSAU)
Mulugu Road,
Warangal.